Patrika (Indore), 18th September 2024, Page-03

#IITIndore

आइआइटी इंदौर ने डेवलप की तकनीक, ग्रिड की स्थिरता पर रियल टाइम रहेगी नजर

पॉवर ग्रिड की सॉफ्टवेयर से निगरानी, रखरखाव होगा आसान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. आइआइटी इंदौर की प्रो. तृप्ति जैन के नेतृत्व में पॉवर ग्रिड प्रबंधन में बड़ी तकनीकी क्रांति आ रही है। उन्होंने ऐसा सॉफ्टवेयर विकसित किया है जो पॉवर ग्रिड की स्थिरता की निगरानी और रखरखाव को आसान बना देगा। इस तकनीक के लिए किसी अतिरिक्त उपकरण की जरूरत नहीं है। यह नई तकनीक पॉवर ग्रिड की स्थिरता को वास्तविक समय में मापती है और ग्रिड के किसी भी हिस्से में समस्या आने से पहले

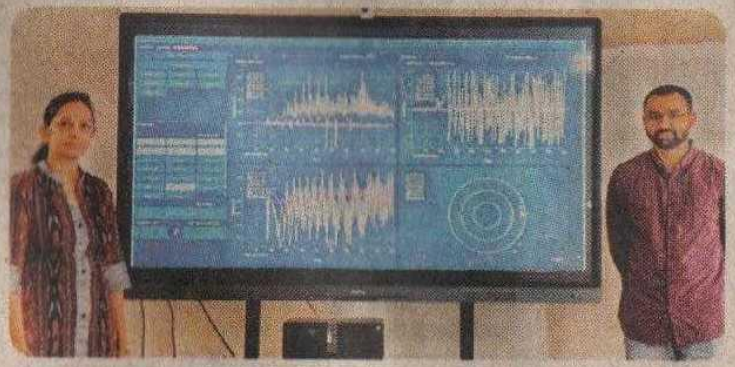

उसे पहचानने में सक्षम है। इससे बिजली आपूर्ति की निरंतरता बनी रहती है और ऑपरेटर्स को समय रहते जरूरी कदम उठाने का मौका मिलता है।

ग्रिड मैनेजमेंट होगा और भी स्मार्ट : इस तकनीक को पॉवर ग्रिड की एंग्यूलर स्टेबलिटी मापने के लिए विकसित किया गया है, जो पॉजिटिव सेक्यूंस वोल्टेज फेजर माप का उपयोग कर जनरेटर में होने वाली समस्याओं की पहचान करती है। इस सॉफ्टवेयर का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इसे मौजूदा सिस्टम में आसानी से शामिल किया जा सकता है, जिससे समय और पैसे दोनों की बचत होती है। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी का कहना है कि यह तकनीक न सिर्फ ग्रिड की स्थिरता को बढ़ाएगी, बल्कि ऑपरेशनल दक्षता को भी नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। प्रो. तृप्ति जैन ने कहा, सॉफ्टवेयर से ऑपरेटर्स को समस्याओं का समाधान पहले से बेहतर तरीके से मिल सकेगा।

तकनीक की विशेषता

- **रियल-टाइम डेटा:** पॉवर ग्रिड की स्थिरता के बारे में तुरंत जानकारी मिलती है।
- **कोई नया हार्डवेयर नहीं :** सिस्टम को मौजूदा उपकरणों में आसानी से जोड़ा जा सकता है।
- **किफायती और तेज :** बिना किसी महंगे उपकरण इसे तेजी से लागू किया जा सकता है।